एक दशक में भारत आयात नहीं, निर्यात करेगा हथियार : रक्षामंत्री

झांसी में राजनाथ ने कहा - जहां सुई नहीं बनती थी, वहां हथियार बनेंगे व निर्यात होंगे

अमर उजाला ब्यूरो

झांसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत अगले एक दशक में सामरिक आजादी हासिल कर लेगा। जहां सूई नहीं बनती थी, वहां एक साल में 209 प्रकार के हथियार बनने लगेंगे और निर्यात भी किए जाएंगे। आगामी एक दशक में हालात ये हो जाएंगे कि हमें हथियार दूसरे देशों से आयात नहीं करने पड़ेंगे। झांसी में बुधवार को यह बात उन्होंने राष्ट्ररक्षा समर्पण पर्व के शुभारंभ के मौके पर कही। इस दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे।

मुक्ताकाशी मंच पर आयोजित कार्यक्रम में रक्षा मंत्री ने कहा कि हाल ही में सरकार ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को 50 हजार करोड़ रुपये का ऑर्डर दिया है, जो अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर है। उन्होंने कहा कि एक समय था जब देश में 65 से 70 फीसदी रक्षा सामग्री आयात होती थी। आज तस्वीर बदल गई है। भारत की धरती पर बनीं रक्षा सामग्रियों का इस्तेमाल हो रहा। इससे महात्मा गांधी का देखा हुआ आत्मनिर्भरता का सपना पूरा होगा।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्र रक्षा समर्पण पर्व का शुभारंभ किया। एजेंसी

राष्ट्रधर्म से ही वर्तमान व भविष्य सुरक्षित : योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राष्ट्रधर्म ही हमारा मूल धर्म है। इस धर्म का पालन करके ही देश का वर्तमान व भविष्य सुरक्षित रहेगा। कार्यक्रम में 'भारत माता की जय' के जयघोष के साथ मुख्यमंत्री ने कहा कि देश भर में झांसी की पहचान वीर और वीरांगनाओं की धरती के रूप में होती है। झांसी की रानी के 193वें जन्मदिवस को देश की आजादी के अमृत महोत्सव से जोड़कर भव्य आयोजन करने का प्रयास किया गया है। रक्षा मंत्रालय और राज्य शासन ने इस कार्यक्रम को आमजन से जोड़ा है। इसका उद्देश्य हर व्यक्ति में समर्पण का भाव पैदा करना है। उन्होने कहा कि बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे भविष्य में जीवन रेखा से जोड़ने का काम करेगा। सिंचाई परियोजनाओं में तेजी आई है। 2022 में बुंदेलखंड के गांवों के घर-घर नल से जल पहुंचेगा।

एनडीए के लिए दो लाख बेटियों ने किया था आवेदन

रक्षामंत्री ने कहा कि सेना में महिलाओं को स्थायी कमीशन दिया जाएगा। सैनिक स्कूलों में भी को-एजुकेशन की शुरुआत हुई है। एनडीए पोर्टल बेटियों के लिए खुल गए हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि जब मैं गृहमंत्री था, तब एडवाइजरी जारी कर कहा था कि महिलाओं को पुलिस में कम से कम 33 फीसदी भागीदारी मिलनी चाहिए। कई राज्यों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ा है।